

इच्छानुसार काम करना; अपने मुँह मियाँ मिट्टू बनना- अपनी बड़ाई अपने आप करना; अपने सिर पड़ना- अपने ऊपर जिम्मेदारी आना; अपने हिसाब से- अपने विचार के अनुसार।

अपनाना स.क्रि. (तत्.) 1. अपना बना लेना, अपनी ओर करना 2. स्वीकार करना, ग्रहण करना 2. अपने अधिकार, रक्षा या शरण में ले लेना।

अपनापन पुं. (तत्.) 1. आत्मीयता, अपना भाव, अपनत्व, आत्मीयता; आपसदारी 2. लगाव।

अपनापा पुं. (तत्.) दै. अपनापन।

अपनाम पुं. (तत्.) बदनामी, निंदा, अपयश।

अपनिदेश पुं. (तत्.) गलत निर्देश विधि. न्यायाधीश द्वारा जूरी को दी गई गलत आधिकारिक हिदायत mis-direction

अपनिरूपण पुं. (तत्.) [अप+निरूपण] 1. किसी बात या तथ्य का गलत निरूपण 2. किसी तथ्य को तोड़-मरोड़कर किया गया वर्णन।

अपनिर्माण वि. (तत्.) [अप+निर्माण] 1. अनुचित निर्माण 2. किसी भवन आदि का गलत ढंग से किया गया निर्माण भाषा. किसी सादृश्य या अज्ञानतावश किसी शब्द का अशुद्ध रूप बनाना जैसे- उपर्युक्त के स्थान पर उपरोक्त, अन्तः करण-अन्तसाक्ष्य, आदि।

अपनीत वि. (तत्.) [अप+नीत] 1. किसी वस्तु को एक स्थान से दूर ले जाया गया। 2. किसी वस्तु को हटाया गया। 3. दूरस्थ स्थान पर पहुँचाया गया 4. अपहृत।

अपनोद वि. (तत्.) [अप+नोद] 1. किसी वस्तु को दूर करना 2. हटाने का भाव।

अपनोदन पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु को अलग करना, अलगाना 2. हटाना, अलहरा करना 3. नष्ट करना 4. प्रायश्चित्त करना।

अपपन्न पुं. (तत्.) वृक्ष की टहनी से पत्तियों का या कलिका से शल्कों का गिरना।

अपपर्ण पुं. (तत्.) [अप+पर्ण] 1. खराब पत्ते या गिरे हुए सूखे व पीले पत्ते बन. 1. पादपों आदि में निकली प्रारंभिक पत्तियाँ अर्थात् अविकसित पत्ते।

अपपाठ पुं. (तत्.) [अप+पाठ] 1. गलत ढंग से पाठ करना 2. गद्य-पद्य आदि को अशुद्ध पढ़ना 3. पाठ पढ़ने में भूल जाना।

अपप्ररूप वि. (तत्.) क्यारी में पौधे की किसी मानक किस्म से भिन्न स्वरूप वाला अवांछित पौधा।

अपप्ररूपण पुं. (तत्.) पौधे की मानक किस्म की क्यारी से या खेत में उसे अवांछित प्रकार के पौधों को हटाने की प्रक्रिया।

अपवेध पुं. (तत्.) [अप+वेध] 1. किसी रत्न हीरा/ मोती आदि में गलत ढंग से किया गया वेधन 2. गलत जगह या गलत तरीके से छेद करना।

अपभाषण पुं. (तत्.) [अप+भाषण] 1. मुख से गलत वाणी बोलना 2. निंदा, गाली 3. अनुचित कथन 4. अमर्यादित/अश्लील शब्दों का प्रयोग।

अपभाषा स्त्री. (तत्.) समाज के अपेक्षाकृत पिछड़े और अशिक्षित वर्ग के लोगों की भाषा जिसमें अशिष्ट, ग्राम्य, अव्याकरणिक प्रयोग आदि दिखाई देते हैं slang

अपभ्रंश पुं. (तत्.) 1. मानक रूप की अपेक्षा विकृत रूप, बिगाड़, विकृति स्त्री. प्राकृत के बाद प्रचलित एक भाषा जो आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं में से अनेक की पूर्वभाषा थी।

अपभ्रंशित वि. (तत्.) [अपभ्रंश+इत] 1. बुरी तरह गिरा हुआ, पतित 2. विकृत, नष्ट-भ्रष्ट 3. भाषा. अपभ्रंश शब्दों से युक्त कोई रचना।

अपभ्रष्ट वि. (तत्.) विकृत, बिगाड़ा हुआ।

अपमंगल पुं. (तत्.) अनिष्ट, अशुभ, अकल्याण।

अपमर्दन पुं. (तत्.) रौंदना या कुचलना।

अपमान पुं. (तत्.) 1. अनादर, अवहेलना, निरादर विडंबना 2. तिरस्कार, दुत्कार।